RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

# नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष-3 अंक-197
बहराइच,शनिवार
27 जुलाई 2024
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

## खिलाड़ियों का होगा 10 लाख का इंश्योरेंस, 11 साल बाद नई खेल नीति लाने की तैयारी

जयपुर। राजस्थान में 11 साल के लंबे इंतजार के बाद नई खेल नीति लाने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर खेल विभाग के अधिकारियों ने ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसके तहत अब शहरों और गांव के साथ कस्बों और ढाणियों में भी खिलाड़ियों की तलाश के लिए प्रोग्राम चलाए जाएंगे। वहीं, पूर्व खिलाड़ियों को 20 हजार रुपए तक पेंशन और खिलाड़ियों को 10 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस कवरेज दिया जाएगा। नई खेल नीति के तहत प्रदेश में पहली बार स्पोर्ट्स पेंशन प्रोग्राम की प्लानिंग की जा रही है। इसके तहत एथलीट, पैरा एथलीट और कोच को हर महीने 20 हजार रुपए पेंशन के रूप में देने का प्रावधान किया गया है। यह पेंशन ओलिंपिक गेम्स, पैरा ओलिंपिक गेम्स, एशियन गेम्स, पैरा एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, पैरा कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को दी जाएगी। इसके साथ ही अर्जुन और द्रोणाचार्य अवॉर्ड प्राप्त करने वाले कोच को भी इसमें शामिल किया गया है। नई नीति के तहत खिलाड़ियों को मेडिकल इंश्योरेंस की सुविधा भी दी जाएगी। इसके तहत इंटरनेशनल लेवल के खिलाड़ियों को 10 लाख और नेशनल लेवल के खिलाड़ियों को 5 लाख का इंश्योरेंस कवरेज दिया जाएगा। नई खेल नीति के ड्राफ्ट में फिट राजस्थान को लेकर भी प्लानिंग की गई है। इसके तहत कम्युनिटी लेवल इंगेजमेंट प्रोग्राम चलाए जाएंगे। इसमें रूरल कम्युनिटी इंगेजमेंट, अर्बन कम्युनिटी इंगेजमेंट, स्कूल और कॉलेज लेवल पर इंगेजमेंट प्रोग्राम चलाए जाएंगे, ताकि हर स्तर पर लोगों को फिट रखा जा सके। अधिक से अधिक लोगों को खेलों से जोड़ा जा सके। इसके साथ ही विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें नेशनल लेवल और मल्टी स्पोर्ट्स खेल शामिल होंगे। वहीं, खेल प्रतिभाओं को खोजने के लिए शहरों और गांव के साथ ही छोटे कस्बों में टैलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम भी चलाए जाएंगे।

## कांवड़ रूट में नाम लिखने पर रोक जारी रहेगी

नई दिल्ली/लखनऊ । यूपी में कांवड़ रूट पर नाम लिखने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक जारी रहेगी। कोर्ट ने शुक्रवार को यूपी सरकार के जवाब दाखिल करने के बाद ये आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड और मध्यप्रदेश सरकार को भी अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान यूपी सरकार के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा- केंद्रीय कानून के मुताबिक यह आदेश दिया गया है। कोर्ट बोला- सभी जगह लागू करिए। फिर वकील ने कहा- कांवड़ सिर्फ तीन राज्यों से गुजरते हैं। यह सिर्फ खाने-पीने के लिए नहीं है। केंद्रीय कानून में दी गई व्यवस्था के मुताबिक है। सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। जबकि कानून में यह व्यवस्था दी गई है कि राज्य इसे लागू कर सकते हैं। मुकुल रोहतगी ने कहा- एक कांवड़िए ने याचिका दाखिल करके कहा कि राज्य का आदेश उचित है। खाना क्या है यह पता होना चाहिए। मुजफ्फरनगर पुलिस की तरफ से यह निर्देश बाध्यकारी तौर पर नहीं लागू किया गया। यूपी सरकार के पहचान बताने के आदेश के बाद यूपी पुलिस ने दुकानदारों के नाम लिखकर चस्पा किए थे।

यूपी सरकार के पहचान बताने के आदेश के बाद यूपी पुलिस ने दुकानदारों के नाम लिखकर चस्पा किए थे।

यूपी सरकार ने कहा- खाने-पीने के सामान को लेकर भ्रम होता है यूपी सरकार ने कोर्ट में दाखिल अपने जवाब में कहा- कांवड़ यात्रा के दौरान खाने-पीने के सामान से भ्रम होता है। खास-कर प्याज-लहसुन के इस्तेमाल को लेकर झगड़ा होता था। कांवड़ियों ने कई बार इसकी शिकायत की। इसके आधार पर आदेश दिया गया। इसके पीछे मकसद इतना था कि कांवड़ियों को पता चल सके कि वो कौन सा भोजन खा रहे, ताकि उनकी धार्मिक भावनाएं आहत न हों और यात्रा शांतिपूर्ण संपन्न हो। आदेश धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता है, यह सबके लिए है। यूपी सरकार ने इस विवाद में दाखिल की गई याचिकाओं का विरोध किया। कहा- पुलिस अफसरों ने कांवड़ियों की समस्याओं को दूर और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाया था। सरकार ने मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध को छोड़कर किसी भी दुकानदार के व्यापार पर बैन नहीं लगाया। दुकानदार अपना व्यवसाय करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोर्ट में सरकार ने कहा- हर साल 4.07 करोड़ से अधिक कांवड़िए भाग लेते हैं। हम किसी भी धर्म के लोगों की धार्मिक भावनाओं की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा कदम उठाती है कि सभी धर्मों के त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाएं। 4 दिन पहले यानी 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था- दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है।

होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

## ओलिंपिक में भारत...काशी के खिलाड़ियों ने निकाली गुडलक यात्रा

वाराणसी। ओलिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए वाराणसी में खिलाड़ियों ने गुडलक मशाल यात्रा निकाली। इस यात्रा में डॉ भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल के सिंथेटिक ट्रैक पर खिलाड़ी मशाल लेकर दौड़े और भारतीय दल का उत्साहवर्धन किया। यहां से शुरू हुई यह पांच किलोमीटर की गुडलक यात्रा वापस यहीं आकर समाप्त हुई जिसमें कई नेशनल खिलाड़ियों और साई के कोच ने हिस्सा लिया। पेरिस ओलिंपिक का आज रंगा-रंग शुभारंभ होगा। इस ओपनिंग सेरेमनी दल भी मौजूद रहेगा। जो शान से स्पोर्ट्स एरीना में भारतीय ध्वज के साथ मार्च पास्ट करेगा। ऐसे में वाराणसी के प्लेयर्स ने भारतीय दल का उत्साह किया। जिसमें हॉकी, कुश्ती, हैंडबॉल, बास्केट बॉल, ऐथ्लैटिक्स और फुटबाल के स्पोर्ट्स हॉस्टल के खिलाड़ियों ने गुडलक यात्रा निकाली। जिसमें सबसे आगे मशाल चल रही थी। जिला ओलिंपिक संघ के देखरेख में आयोजित मशाल यात्रा डॉ भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल से निकाली गई। जिला ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष डॉ अशोक कुमार सिंह ने बताया- काशी ने हमेशा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया है। इस बार एक बार फिर काशी के लाल ललित उपाध्याय हॉकी में भारतीय टीम में शामिल हैं। टोक्यो ओलिंपिक में पदक जीतने वाली हॉकी टीम के वो सदस्य थे और एक बार फिर वो अपना हुनर दिखाएंगे। हॉकी के ड्रिब्लिंग जादूगर मोहम्मद शाहिद ने तीन बार ओलिंपिक खेला था। जिसके बाद ललित ने काशी का मान बढ़ाया है। ऐसे में सभी खिलाड़ियों ने आज ललित सहित भारतीय दल के सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया है। डिप्टी स्पोर्टस ऑफिसर डॉ मंजूर आलम अंसारी ने बताया- स्पोर्ट्स हास्टल के खिलाड़ियों ने इस इवेंट को करवाने के लिए कहा था जिस पर ओलिंपिक संघ से बातचीत के बाद इस गुडलक यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें करीब 400 खिलाड़ियों हिस्सा लिया। यह यात्रा डॉ भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल के से प्रारंभ हुई जो वाराणसी विकास प्राधिकरण कालोनी, चांदमारी व रिंग रोड होते हुए वापस स्टेडियम में खत्म हुई। मशाल यात्रा में शामिल खिलाड़ी नारे लगा रहे थे कि जीतेगा भाई जीतेगा भारत, जो खेलेगा वही खिलेगा। इसी दौरान परमानंदपुर स्थित बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रग्बी, हैंडबॉल और हॉकी के प्लेयर्स ने तिरंगा यात्रा निकाली

## जब मोची की दुकान पर पहुंचकर चप्पल सिलने लगे राहुल गांधी

### दुकानदार से पूछा- कितने रुपये कमा लेते हो

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर दीवानी न्यायालय से लखनऊ जाते समय शुक्रवार को अचानक राहुल गांधी का काफिला गुप्तारगंज के विधायक नगर के रामचेत मोची की दुकान पर रुका। लोग जब तक कुछ समझ पाते, राहुल दुकान में जा बैठे और रामचेत से बातचीत करने लगे। इस दौरान राहुल गांधी ने जूते-चप्पल की सिलाई भी की। उनसे काम में आने वाली दिक्कतों को भी जाना। आश्वासन दिया कि हम आपकी आवाज बनेंगे।

राहुल गांधी ने पूछा कि परिवार कैसे चलता है? रामचेत ने कहा कि दुकान से कभी 100 तो कभी 50 रुपये मिल जाते हैं। जवाब सुनकर राहुल सोच में पड़ गए और पूछा कि इतनी कम कमाई में परिवार का गुजारा कैसे करते हैं? रामचेत ने राहुल को काम की बारीकियों से अवगत कराया और कहा कि घर की माली हालत बहुत खराब है। कुछ आर्थिक मदद हो जाय तो नया व्यवसाय शुरू कर दूं। इस काम में स्वाभिमान नहीं है। लोग हेय दृष्टि से देखते हैं। यही कारण है कि बेटे को इस काम से दूर रखा है। राहुल गांधी ने दिलासा देते हुए कहा कि सबकी आवाज मैं उठाऊंगा। दुकान में बैठे राहुल ने चप्पल व जूते की सिलाई का तरीका पूछते ही एक चप्पल उठा ली और उसे सिलने लगे। राहुल का यह अंदाज देख सभी दंग रह गए। करीब पांच मिनट तक राहुल दुकान में रहे और जूते-चप्पल बनाने की बारीकियों को समझते रहे। इस दौरान उन्होंने ठंडा मंगाकर रामचेत और उसके परिवार को पिलाया। परिवार के साथ फोटो खिंचवाई और खुद भी सेल्फी ली। राहुल के जाने के बाद रामचेत ने बताया कि हमारे काम को लोग नीचा समझते हैं, लेकिन राहुल गांधी ने आकर सम्मान बढ़ाने का कार्य किया। ऐसा किसी और नेता ने अब तक नहीं किया। उनसे बातकर लगा कि गरीबों की आवाज सुनने वाला नेता देश में है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह के साथ दीवानी न्यायालय परिसर में दाखिल हुए। उनके पहुंचते ही वहां पहले से मौजूद कांग्रेसियों ने उनका स्वागत पुष्पवर्षा कर किया। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी।

## सम्पादकीय....

# विदेश मंत्रालय को ममता की नसीहत

नौकरी में आरक्षण के विरोध को लेकर बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों के बाद ममता बनर्जी ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत बांग्लादेशी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की थी। उनकी टिप्पणी कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आई, जहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के शरणार्थियों को आश्रय देने की उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) पर पलटवार किया। बनर्जी ने कहा कि मैं संघीय ढांचे को अच्छी तरह से जानती हूं। मैं सात बार सांसद रही, मैं दो बार केंद्रीय मंत्री रही। मैं विदेश मंत्रालय की नीति को किसी और से बेहतर जानती हूं। उन्हें मुझे सबक नहीं सिखाना चाहिए। उन्हें इससे सीखना चाहिए। नौकरी में आरक्षण के विरोध को लेकर बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों के बाद ममता बनर्जी ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत बांग्लादेशी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की थी। उनकी टिप्पणी कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आई, जहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की ह्यशहीद दिवसह्ल रैली में कहा कि अगर असहाय लोग बंगाल के दरवाजे पर दस्तक देंगे तो हम निश्चित रूप से उन्हें आश्रय देंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बनर्जी की टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राजनयिक चैनलों के माध्यम से कहा कि उनकी टिप्पणियां भ्रम पैदा कर सकती हैं और जनता को गुमराह कर सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसे ममता बनर्जी की टिप्पणी पर ढाका से एक लिखित आपत्ति मिली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विदेशी संबंधों से जुड़े मामले केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है। बांग्लादेशियों के लिए ममता बनर्जी ने ऐसा क्या कह दिया, पड़ोसी देश ने थमाया डिप्लोमैटिक नोट, प्रभासाक्षी के सवाल पर विदेश मंत्रालय ने किया खुलासा जयसवाल ने कहा कि हमारे संविधान की सातवीं अनुसूची - सूची एक - संघ सूची - आइटम 10 के तहत, विदेशी मामलों का संचालन और सभी मामले जो संघ को किसी विदेशी देश के साथ संबंध में लाते हैं, केंद्र सरकार का एकमात्र विशेषाधिकार है।

# कांग्रेस और खालिस्तान में गर्भनाल का रिश्ता !

देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया।

माँ और सन्तान के बीच गर्भनाल का रिश्ता ही ऐसा होता है, कि प्रसव के बाद शरीर अलग होने के बावजूद भी आत्मीयता बनी रहती है। सन्तान को पीड़ा हो तो माँ बिलख उठती है। ऐसा ही गत 25 जुलाई को संसद भवन में देखने को मिला जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालन्धर से कांग्रेस के सांसद चरनजीत सिंह चन्नी ने खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के पक्ष में आह भरी। चन्नी के शब्दों में 20 लाख लोगों के खडूर साहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि अमृतपाल को जेल में रखा जा रहा है, यह भी एमरजेंसी है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में डिब्रूगढ़ जेल में नजरबन्द खालिस्तान प्रचारक व अजनाला कोतवाली हिंसा का मुख्य आरोपी अमृतपाल निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता है और कांग्रेस सांसद चन्नी लोकसभा में उसके ही पक्ष में बोल रहे थे। रोचक बात तो ये है कि अमृतपाल को जेल में भेजने वाली पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के सांसद भी सुन्न अवस्था में चन्नी के साथ वाली सीटों पर ही बैठे थे। वैसे चन्नी के बौद्धिक व



प्रशासनिक योग्यता के स्तर का इसी बात से अनुमान लगाया जा सकता है कि फरवरी, 2018 में कैप्टन अमरिन्द्र सिंह की सरकार के तकनीकी शिक्षा मन्त्री रहते हुए उन्होंने प्राध्यापकों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि किकेट की तरह टॉस करके की थी। उस समय देश-दुनिया में इस घटना को बड़े हास्यस्पद अन्दाज में कहा और सुना गया था। बाद में मुख्यमन्त्री बनने के बाद चन्नी प्रधानमन्त्री की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं कर पाए और बठिण्डा से फिरोजपुर जाते हुए कथित किसान आन्दोलनकारियों ने प्रधानमन्त्री के काफिले को घेर लिया था। इस पर चन्नी ने सुरक्षा की सारी जिम्मेवारी केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों पर डालने का प्रयास किया। केवल इतना ही नहीं, लोकसभा चुनावों के समय जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों को चन्नी ने भाजपा की रणनीति बताया था। अब चन्नी द्वारा किसी खालिस्तानी का समर्थन करना चाहे किसी को चौंकाता हो परन्तु 1980 के दशक की राजनीतिक कलाबाजियां देख चुकी पीढ़ी अच्छी तरह जानती है कि चन्नी का अमृतपाल के प्रति दुःख अनायास नहीं बल्कि यह कांग्रेस और खालिस्तान के बीच गर्भनाल के रिश्ते की टीस है। मेरे दादा ने कुबार्नी देश के लिए दी, कांग्रेस के लिए नहीं, जब संसद में भिड़ गए चन्नी और रवनीत बिट्टू, हुआ भारी हंगामा

देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया। रिसर्च एण्ड एनालाइसेज विंग (रॉ) के सेवानिवृत अधिकारी जी.बी.एस. सिद्धू अपनी पुस्तक ह्यखालिस्तान षड्यन्त्र की इनसाइड स्टोरीह्ल में दावा करते हैं कि जब भी भिण्डरांवाले से कोई संवाददाता खालिस्तान की मांग के बारे पूछते तो उसका यही जवाब होता था कि- हम खालिस्तान की मांग नहीं करते पर सरकार इसका प्रस्ताव करती है तो हम इन्कार भी नहीं करेंगे। चूंकि पंजाब के नर्म दलीय अकाली नेताओं को कमजोर करने के लिए गर्मदलीय लोगों के साथ खालिस्तान का लेबल चस्पा करना जरूरी था, तो 13 अप्रैल, 1978 में हुए निरंकारी-सिख टकराव की घटना के बाद ऐसी शक्ति का खड़ा करना जरूरी हो गया जो खुल कर खालिस्तान की बात करे। चूंकि भिण्डरांवाला न तो खालिस्तान की मांग करने वाला था और न ही विरोध, तो उसके साथ इस बिखराव की मांग को आसानी से जोड़ा जा सकता था। उस समय कांग्रेस नेताओं ने यह काम बड़ी बाखूबी किया। उस समय भारत में काम कर रहे बीबीसी लन्दन के पत्रकार मार्क टुल्ली व सतीश जैकब की पुस्तक ह्यअमृतसर- मिसेज गान्धी लास्ट बैटलह्ल के पृष्ठ 60 पर दावा करते हैं कि ह्यइस काम के लिए पंजाब में दल खालसा के नाम से कट्टरवादी संगठन का गठन किया गया। इसकी पहली बैठक चण्डीगढ़ के अरोमा होटल में हुई जिसका 600 रुपये का भुगतान ज्ञानी जैल सिंह द्वारा किया गया। पत्रकार कुलदीप नैयर की पुस्तक ह्यबियाण्ड द लाइन्स -एन ऑटोबायोग्राफी के अनुसार, इस संगठन के उद्घाटन समारोह में सिख पन्थ की अवधारणा और उसके स्वतन्त्र अस्तित्व को जीवित रखने का संकल्प लिया गया। संगठन का राजनीतिक उद्देश्य खालसा का बोलबाला बताया गया। एक अन्य पत्रकार जीएस चावला अपनी पुस्तक ह्यब्लडशेड इन पंजाब-अनटोल्ड सागा ऑफ डिसीट एण्ड सैबोटेजह्ल में लिखते हैं कि-ह्यदल खालसा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पहले चण्डीगढ़ में एक पूर्व कांग्रेसी सांसद के यहां स्टेनोग्राफर की नौकरी की थी। 6 अगस्त, 1978 को चण्डीगढ़ के सेक्टर 35 में स्थित गुरुद्वारा श्री अकालगढ़ में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में यह घोषणा की गई कि दल खालसा की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्वतन्त्र सिख साम्राज्य की स्थापना सुनिश्चित करना है। अगले दिन पंजाब के कई समाचारपत्रों में यह खबर छपी, प्रेस कान्फ्रेंस का खर्चा भी पंजाब के कांग्रेसी नेताओं ने उठाया। देश के सुविख्यात विचारक कुप्पहल्ली सीतारामैया सुदर्शन अपनी पुस्तक ह्ययों भटका पंजाबह्ल में लिखते हैं कि-ह्यकांग्रेस की आपसी गुटबाजी ने भी पंजाब समस्या को उग्र बनाने में बहुत मदद दी है। केवल दलीय दृष्टिकोण से ही समस्याओं को देखने का उसका स्वभाव रहा है, इसलिए सत्ताहीन अवस्था में अकाली दल को शह देने के लिए उसने भिण्डरावाले को उभारा। कांग्रेस की आपसी धड़ेबन्दी ने भिण्डरावाले की उग्रता के विरुद्ध समय रहते कड़े कदम उठाने नहीं दिये और जब भिण्डरावाले ने भस्मासुर का रूप लेकर अपने वरदाता को ही भस्म करने के लिए हाथ बढ़ाया तब कांग्रेसी शासन को ऐसी कार्यवाही के लिए बाध्य होना पड़ा

# किसान आंदोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है।

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक ह्यतटस्थ मध्यस्थह्ल की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण



सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा। असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंद्रलोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/टाइटल कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इज़हार वारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।

## फैमिली केयर क्लिनिक द्वारा 27 जुलाई को निशुल्क चिकित्सा कैंप का किया जाएगा आयोजन

मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव।बांगरमऊ नगर के लखनऊ मार्ग पर स्थित अप्सरा पैलेस में फैमिली केयर क्लिनिक द्वारा 27 जुलाई को निशुल्क चिकित्सा कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसमें योग्य और वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच करने के साथ ही उनका उपचार किया जाएगा।

निशुल्क चिकित्सा कैंप की आयोजनकर्ता डॉक्टर निदा परवीन ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 27 जुलाई को सुबह 11 बजे से सांय 3 बजे तक कैंप का आयोजन किया जाएगा। पेट रोग, ब्लड प्रेशर एवं न्यूरो सर्जरी से संबंधित बीमारियों के विशेषज्ञ डॉक्टर हरीश निगम, महिला प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नाहिद अहमद, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अफरोज एवं डॉक्टर अभय सिंह तथा बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नौशाद द्वारा मरीजों को उचित परामर्श देने के साथ ही उनका उपचार किया जाएगा। इसके साथ ही निशुल्क दवा वितरण के अलावा ब्लड प्रेशर (बी पी) हिमोग्लोबिन व शुगर की निशुल्क जांच की जाएगी। अन्य सभी खून की जांचों पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

## उन्नाव जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष अरुण सिंह एवम सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय पाण्डेय को किया गया सम्मानित

मोहम्मद इरफान खान

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह सहकारिता भवन स्थित सभागार में आयोजित एक दिवसीय सहकारिता कॉन्फ्रेंस में उन्नाव जनपद को दो पुरस्कार प्राप्त हुए सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे. पी. एस राठौर द्वारा प्रमुख सचिव सहकारिता राजेश कुमार सिंह एवम निबंधक अनिल कुमार की उपस्थिति में उन्नाव जिला सहकारी बैंक को निक्षेप, ऋण वितरण , एवं वसूली, ओवरऑल परफॉर्मेंस में प्रथम पुरस्कार के साथ एवम सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अरुण सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी

बैंक उन्नाव एवम सचिव मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय पांडे को सम्मानित किया गया जनपद का सहकारिता परिवार बैंक को मिली इस उपलब्धि से अपने आप को गौरांवित महसूस कर रहा है उल्लेखनीय है प्रदेश में सदस्यता महा अभियान में चतुर्थ स्थान प्राप्त करना एवं कार्य कुशलता व परफॉर्मेंस में पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद की सभी शाखाएं लाभ पर एवम प्रगति की ओर अग्रसर है

## एक माह पहले कार्यवाही से भागे झोलाछाप डॉक्टर , फिर से मेडिकल पर बैठकर कर रहे इलाज, अधिकारी सुस्त।

ब्यूरो चीफ हिमांशु सिंह राजपूत/ नवयुग समाचार दमोह

दमोह विगत दिनों झोलाछाप डॉक्टरों पर जिला प्रशासन द्वारा सख्ती दिखाते हुए ब्लांक के गांव गांव में अवैध संचालित कर रहे क्लिनिक पर कार्यवाही की गई थी किन्तु उक्त डॉक्टरों पर अब प्रशासन की व्यस्तता के कारण कार्यवाही ठंडे बस्ते में चली गई है जिस कारण से हटा नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप डॉक्टरों का डर खत्म हो गया है, हटा अनुभाग के गैसाबाद ग्राम में 26जून 2024 को तीन डाक्टरों के यहां दल बल के साथ छापामार कार्यवाही की गई थी , जिसमें एक बागली डाक्टर एस के रॉय

जो अपनी क्लिनिक छोड़कर भाग गए थे ,वह अब एक माह बाद एक मेडिकल में बैठकर इलाज करते नजर आ रहे हैं ,जिस कारण से सिद्ध हो रहा उक्त झोलाछाप डॉक्टर के सामने स्वास्थ्य अमला एवं प्रशासन बोना नजर आ रहा है , झोलाछाप डॉक्टर द्वारा एक डाक्टर का नाम लेकर बताया गया कि हमें सारे दस्तावेज अधिकारियों को दिखा दिए गए थे । अब देखना होगा कि उक्त मामले में कब तक जांच और कार्यवाही होगी। उक्त मामले में आवश्यक कार्यवाही कराते हैं । डॉ.उमाशंकर पटेल, बी एम ओ हटा

# बिल्हौरः कानपुर अलीगढ़ हाईवे पर मेड़ुआ गांव के पास सर्विस रोड पर नोटों की कतरन का मिला ढेर

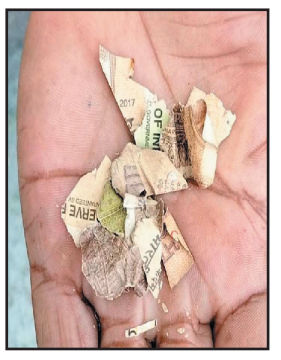

आपको बता दें की अरौल थाना क्षेत्र के मेड़ुआ गांव में करोड़ो रुपए के नोटों की कटिंग मिलने से मचा हड़कंप उपजिलाधिकारी समेत थाना पुलिस पहुँची मौके पर नोटों की कटिंग मिलने की खबर पर पहुँचे आस पास के लोग अरौल थाना क्षेत्र के मेड़ुवा गाँव के पास सर्विस रोड पर मिले करोड़ो रुपए के कटे नोट आर बी आई व इनकमटैक्स की भी पहुँच रही टीम पुलिस ने नोटो की कटिंग को किया अपने कब्जे में वही सपा नेत्री रचना सिंह गौतम ने ट्वीट करते हुए कहा है कि भाजपा सरकार मे हो रहे भ्रष्टाचार का जीता जागता उदाहरण है इस पैसे की जांच होनी चाहिए। मौके पर पुलिस पहुंची कटे नोटों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है. अजय कुमार की रिपोर्ट

# सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला गंगा सुरक्षा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न हुई

आनन्द तिवारी/नवयुग समाचार

नवयुग समाचार कानपुर नगर आपको बता दें बैठक में माघ मेला-2025 के दृष्टिगत गंगा नदी की जल गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित किए जाने गंगा के किनारे किसी भी प्रकार से ठोस अपशिष्ट का प्रवाह न हो तथा महाकुम्भ का आयोजन पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त हों तथा शहरी नदी प्रबंधन योजना का कार्यान्वयन कार्ययोजना तैयार किये जाने ० सीवेज प्रबन्धन हेतु जनपद में संचालित समस्त सीवेज शोधन संयंत्रों का संचालन पूर्ण क्षमता पर नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किए आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा के साथ-साथ 20 एमएलडी सीईटीपी(जटेटा) जाजमऊ कि अद्यतन स्थिति, ठोस अप्सिस्ट प्रबंधन एवम गंगा एवम पांडू नदी से संबंधित नालों में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए हैः-

1- नगर आयुक्त,नगर निगम को निर्देशित किया गया कि शहरी नदी प्रबंधन योजना का कार्यान्वयन कार्ययोजना तैयार की जाए ।

2. नगर आयुक्त नगर निगम, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड कानपुर नगर,पंचायती राज विभाग

को निर्देशित करते हुए कहा कि गंगा को निर्मल व अविरल बनाये रखने हेतु महाकुम्भ-2025 की विस्तृत कार्य योजना जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए ।

3.क्षेत्रीय अधिकारी,प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद कानपुर में स्थित प्रदूषणकारी प्रकृति के समस्त उद्योगों द्वारा निस्तारित उत्प्रवाह व उत्सर्जन गुणता की अनुश्रवण एवं रळढ की वास्तविक/ अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर वस्तुस्थित से अवगत कराना सुनिश्चित करें ।

4- जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की जनपद कानपुर नगर के 40 गंगा ग्रामों में जल संरक्षण हेतु तालाबों का सर्वे करते हुए सी ० एस० आर० फण्ड से उनका जीर्णोद्धार कराया जाए

5. कानपुर के प्रमुख गंगा घाटों में नदी के पास बड़े कूड़ेदानो की संख्या एवं आकार को बढ़ाना जाए पूर्व में स्थापित कूड़ेदान से कूड़ा उठान व घाटों पर गंदगी एवं स्वच्छता की निरंतरता हेतु शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में घाटों पर नियमित सफाई हेतु सफाई कर्मचारियों की डियूटी लगाई जाए जिसके लिए परिवेक्षण हेतु परिवेक्षणी अधिकारी की डियूटी लगाई जाए

6. गंगा नदी के कैचमेंट/गंगा ग्रामों के अंतर्गत कराये जाने वाले विकास कार्य एवं वर्षा जल संरक्षण हेतु किए गये कार्यों की समीक्षा - सिचाई विभाग,पंचायती राज विभाग एवं नगर निगम कानपुर नगर ।

7. उप निदेशक कृषि तथा जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजित कर किसानों को प्राकृतिक खेती किए जाने हेतु बढ़ावा दिया जाए ।8. जनपद कानपुर नगर में परमार्थ निकेतन ऋषिकेश, उत्तराखंड की ही तर्ज पर गंगा आरती का आयोजना कराया जाए, जिसके लिए गंगा बैराज स्थित अटल घाट पर आवश्यक व्यवस्थाए कराई जाए तथा जिला गंगा समिति से 05 सदस्यों को नामित किए गए लोगो को प्रशिक्षण कराया जाए ।

9- परियोजना प्रबंधक नगर निगम सुनिश्चित करे की गंगा नदी के कैचमेंट एरिया के 500 मीटर दायरे के अंतर्गत कूड़े, पॉलीथीन का निस्तारण कदापि न हो।

10- परियोजना प्रबंधक उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण को सीवेज प्रबंधन हेतु समस्त एसटीपी का संचालन पूर्ण क्षमता एवम नियमानुसार किया जाने हेतु निर्देशित किया।

11- गंगा नदी में गिर रहे अनटैप्ड नालों में बायोरेमिडिएशन का कार्य कराए जाने हेतु एवम सॉलिड वेस्ट का निस्तारण रोके जाने हेतु अनटैप्प नालों में बारमेश स्थापित किए जाने हेतु अधिशाषी अभियंता नगर निगम को निर्देशित किया गया।

12- परियोजना प्रबंधक, उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) को निर्देशित किया गया कि बनियापुर एसटीपी का संचालन सुरु किये जाने के निर्देश दिए गए।

13- सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए गए कि वाहनों के प्रदूषण प्रमाणपत्र निर्गत करने वाले नॉन आइडेंटिफाईड, नॉट ऑपरेशनल पीयूसी सेंटर को लाइसेंस निरस्त किए जाने हेतु की गई कार्यवाही से एक सप्ताह के अंदर अवगत कराना सुनिश्चित करें। तथा पुनः जांच हेतु कमेटी का गठन किया जाए। सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित किए जाने हेतु नगर निगम , एवम आर. ओ. पीसीबी को निर्देशित किया गया।

# कानपुर शहर में पुलिस के छापे में कई दलाल पकड़े

आनन्द तिवारी /नवयुग समाचार

नवयुग समाचार कानपुर नगर आपको बता दें कानपुर नगर के शहर में थाना काकादेव के अंतर्गत आरटीओ में दलालों की घुसपैठ को लेकर कई दिनों से समाचार पत्रों में खबर आ रही थीं कई समाचार पत्र ने भी इस खबर को प्रमुखता से छापा था कि सरकार के लाख जतन के बाद भी आरटीओ में दलालों का दबदबा कम नहीं हो रहा है क्यों कि वहां एक बार जाने से कोई काम बनता ही नहीं है इससे परेशान होकर आदमी को दलालों का सहारा लेना पड़ता है।जो वहां हर काउंटर पर सक्रिय रहते हैं आज इन खबरों को संज्ञान में लेकर आरटीओ कार्यालय में आरटीओ दलालों को एवं ऑफिस में डीसीपी एसीपी मजिस्ट्रेट का पड़ा छापा आरटीओ में

उच्च अधिकारियों को देखते ही दलालों में मची भगदड़ मच गई अब देखना यह है की क्या होती है कार्यवाही होती है केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आरटीओ में दलालों की सक्रियता को खत्म करने के लिए कई बार नियमों में परिवर्तन किया था?? लेकिन फिर भी आरटीओ में मिली भगत से लगातार यह शिकायतें आ रही थीं कि वहां बिना पैसा दिये कोई काम नहीं हो रहा है और इसी क्रम में आज वरिष्ठ अधिकारियों ने वहां छापा मारा फिर आरटीओ में दलालों को एवं ऑफिस में डीसीपी एसीपी मजिस्ट्रेट का पड़ा छापा आरटीओ में उच्च अधिकारियों को देखते ही दलालों में मची भगदड़ कार्यवाही आरटीओ में दलालों और ऑफिस में पड़ा उच्च अधिकारियों का छापा कानपुर के तेज तर्रार सीपी अखिल कुमार के दिशा निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल राजेश कुमार सिंह एसीपी शिखर जी, एसीपी महेश कुमार एवं सबंधित थाना पुलिस में काकादेव थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया, चौकी इंचार्ज पांडू नगर राहुल शुक्ला स्वरूप नगर थाना पुलिस के चर्चित कांस्टेबल चंदन कुमार की रही

# अंतिम यात्रा से लौट रही बस अनियंत्रित हो डंफर से टकराई 20 घायल

मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर नेशनल हाईवे के दही थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर अंतिम यात्रा की बस घाट से लौटकर असोहा की तरफ जा रही थी। इसी दौरान कुमेदान खेड़ा के पास बस का टायर फट गया और अनियंत्रित होकर डंपर से टकरा गई। हादसे में उसमें सवार 20 लोग घायल हो गए। जिसमें तीन की हालत गंभीर है। घटना सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार असोहा थाना क्षेत्र के ग्राम कांथा के रहने वाले फतेह बहादुर सिंह पुत्र राज बहादुर, अयोध्या पुत्र पला सिंह, गौतम सिंह पुत्र जगदंबा सिंह, शिवमंगल सिंह पुत्र राजबहादुर सिंह, रामखेलावन पुत्र केवल तिवारी, लाल पुत्र हरिप्रसाद, सुरेश पाटलिपुत्र कुंजीलाल, किशन सिंह पुत्र जगदंबा सिंह, मनोज सिंह पुत्र जगदंबा सिंह समेत बीस से अधिक लोग गांव में देहांत हो जाने के बाद शुक्लागंज

के गंगाघाट पर गए थे। अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद अंतिम यात्रा बस से वापस गांव लौट रहे थे। कुमेदन खेड़ा के पास बस अनियंत्रित होकर डंपर से टकरा गई। जिसमें बीस से अधिक लोग घायल हो गए। हादसे के बाद बस में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। नेशनल हाईवे पर एक्सीडेंट होने की सूचना पर दही थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है साथ ही घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी है। बताया जा रहा है हादसे में तीन युवकों की हालत गंभीर हैं, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए कानपुर में रेफर किया जा सकता है।

# साहब हम बेजुबान है लेकिन इस तरह का बर्ताव तो न करो

मोहम्मद इरफान खान

उन्नाव।फतेहपुर चौरासी के भडसर नौशहरा गांव में गोशाला से मरे हुए जानवरो को ट्रैक्टर से किस तरीके से खींच कर लेकर जा रहे प्रधान के गुर्गे

सचिव शुभम वर्मा अपने को बचाने में लगे हुए है वहीं एडीओ पंचायत हेमंत कुमार बचाने में लगे हुए है क्या योगी सरकार में बेजुबान के साथ इसी तरह का बर्ताव किया जाएगा गौशालाओं की इस तरह होते दुर्दशा का जुम्मेवार कौन आखिर क्यों आए दिन गौशालाओं में खत्म हो रहे जानवर फतेहपुर 84 के विकास खंड भड़सर नौशहरा के महमदपुर गांव में बनी गौशाला का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल को सीडीओ उन्नाव ने लिया संज्ञान मौके पर पहुंचे एडीएम न्यायिक विकास कुमार सिंह सहित कई आलाधिकारी।

## छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती पर पुष्प अर्पित कर किया याद

कानपुर। छत्रपति साहू जी महराज की जयंती पर सीसामऊ विधान सभा के अन्तर्गत ग्वाल टोली के नारायण दास हाते मे बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं ने पुष्प अर्पित करके उनके कार्यों को याद किया, उनके द्वारा समाज सुधार कार्यो के बारे मे बताया गया। कार्यक्रम मे वरिष्ठ जिला प्रभारी बी पी अम्बेडकर, नगर अध्यक्ष राम नारायण निसाद, जिला प्रभारी राम शंकर कुरील, पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू चौधरी, विस अध्यक्ष गौरव राजपूत, संदीप भगत, अनूप गौतम, हरि किशन ब्रह्मा, धर्मेन्द्र गौतम, सुमित बाल्मीकि, गुलशन गौतम, मो अहमद, आदि उपस्थित रहे।

# गुरसहायगंज मे सप्ताहिक बन्दी का कड़ाई से किया जाये पालन - डीएम

कन्नौज - जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जनपद में उद्योग/व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारित करने के उद्देश्य से जिला उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने व्यापारियों बन्धुओं के साथ विद्युत ट्रिपिंग, स्ट्रीट लाइट लगाने, जल भराव, पार्किंग, निवेश मित्र पोर्टल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओ0डी0ओ0पी0 योजना आदि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक परिचर्चा की। जिलाधिकारी ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को निर्देश दिये कि गुरसहायगंज में सप्ताहिक बंदी का कड़ाई से पालन किया जाये। साप्ताहिक बंदी के दौरान जो दुकानें खुली पाई जायें तो कार्यवाही करते हुए चालान किया जाए। अगली बैठक में बाजार की साप्ताहिक बंदी की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिये कि बैठक उपरांत लाखन चैराहे में तारो को अंडरग्राउण्ड किए जाने अथवा सुशोभित ढंग से तारो को ठीक किए जाने हेतु निरीक्षण करें और कार्य को जल्द से जल्द पूरा किए जाने हेतु कार्यवाही करें। इसके साथ ही विद्युत ट्रिपिंग की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होने निर्देश दिये कि निवेश मित्र पोर्टल पर शिकायत आने पर संबंधित विभाग शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समय से निस्तारण और समय-समय पर फीडबैक की समीक्षा की जाए। डीएम ने उद्यमियों /व्यापारियों की सुरक्षा की जानकारी ली, जिसमें समिति द्वारा अवगत कराया गया है कि उद्यमियों/व्यापारियो को सुरक्षा के दृष्टिगत कोई समस्या नहीं है। उन्होंने नगर पालिका गुरसहायगंज में स्थापित एस0टी0पी0 के संचालित न होने के संबंध में निर्देश दिए कि जो जांच समिति गठित की गई है

# फाइलेरिया उन्मूलन में निगरानी समितियां करें मदद : जिलाधिकारी

## दस अगस्त से दो सितम्बर तक सर्व जन दवा सेवन अभियान

कानपुर नगर

जिले के लोगों को लाइलाज बीमारी फाइलेरिया से बचाने के लिए अगले माह दस अगस्त से सर्वजन दवा सेवन (आ-ईडीए) अभियान शुरू किया जाएगा फाइलेरिया उन्मूलन के लिए मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में शुक्रवार को जिलास्तरीय स्वास्थ्य समन्वय समिति की बैठक हुई बैठक जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने बैठक में सभी विभागों को अंतर विभागीय समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कोरोना के दौरान शहरी क्षेत्र के वार्डों में जिन निगरानी समितियों का गठन किया गया था उनका सहयोग इस सर्वजन दवा सेवन अभियान में लिया जाये इसके साथ उन्होंने कहा इस अभियान दौरान किसी विभाग

के स्तर से लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी इसके साथ ही उन्होंने कहा की अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग सहयोग से समस्त सरकारी विभागों जैसे कलक्ट्रेट, विकास भवन, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण, यूपीआरएलएम आदि में बूथ लगवाकर लोगों को दवा सेवन करवाया जाये इसके साथ ही कहा कि आशा बहु व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अभियान से पहले ही बीमारी की भयावहता के बारे में लोगों से चर्चा करें और अभियान के दौरान आशा कार्यकर्ता के साथ सक्रिय भूमिका निभाते हुए दवा का सेवन करवाएं जिलाधिकारी ने अपील की कि मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के तहत फाइलेरिया की दवा खाकर स्वयं को फाइलेरिया से सुरक्षित एवं कानपुर जनपद को फाइलेरिया से मुक्त बनाएं बैठक में वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ आरपी मिश्रा ने बताया कि अभियान के तहत दस अगस्त से दो सितम्बर तक दो सदस्यों की टीम घर घर जाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाएंगी इसके लिये ग्रामीण क्षेत्र के 19,70,552 और शहरी क्षेत्र के 17,54,195 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य है बताया कि प्रबंधन के जरिये लिम्फोडिमा को नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता है लाइलाज बीमारी फाइलेरिया (हाथीपांव) से बचने के लिए तीन साल तक लगातार साल में एक बार बचाव की दवा का सेवन जरूरी है। जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि फाइलेरिया विश्व में दिव्यांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है आईडीए अभियान को मजबूती प्रदान कर सुनिश्चित किया जाए कि जिले में एक भी नया संक्रमण न फैलने पाए दो वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को ( गर्भवती और अति गंभीर बीमार लोगों को छोड़ कर) फाइलेरिया से बचाव की तीनों दवाएं खिलानी हैं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के जोनल कोआडीर्नेटर डॉ राहुल ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन से बताया कि एक से दो वर्ष के बीच के बच्चों को सिर्फ पेट के कीड़े मारने की दवा दी जाएगी। अभियान 10 से 2 सितम्बर तक सोमवार, मंगलवार, गुरूवार और शुक्रवार को चलेगा किसी को भी खाली पेट दवा नहीं खिलाई जाएगी इसी वजह से अभियान का समय सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक रखा गया है प्रत्येक दिन खिलाई गई दवा का विवरण ई कवच पोर्टल पर फीड करना अनिवार्य है इस बार समस्त दस ब्लॉकों के साथ जिले में शहरी क्षेत्र के पाँच प्लानिंग यूनिट में यह अभियान चलेगा पहली बार अभियान की टीम में एक पुरुष सदस्य भी रखा जाएगा ताकि हाथीपांव और हाइड्रोसील के नये पुरूष मरीजों की भी आसानी से पहचान की जा सके इसके लिए 2980 टीम बनाई गई हैं प्रत्येक टीम को एक दिन में 25 घर का भ्रमण कर कम से कम 125 लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलानी होगी इस अवसर पर फाइलेरिया रोगी नेटवर्क सदस्य महेंद्र सिंह ने जिलाधिकारी के समक्ष फाइलेरिया होने के बाद से दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियां साझा की उन्होंने अपील की कि जैसे मैं इस बीमारी से गुजर रहा हूँ वैसे कोई ना गुजरे सभी लोग फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन जरूर करें। बैठक में समस्त सभी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अर्बन नोडल अधिकारी, डीसीपीएम, सहायक मलेरिया अधिकारी, फाइलेरिया परामर्शदाता सहित सहयोगी संस्था सीफार, पीसीआई संस्था के प्रतिनिधि प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

# भूजल जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

कानपुर। प्राथमिक विद्यालय गुगाबन्द में ग्राम गुगाबन्द और चाचोंद की जलागम विकास समिति परियोजना के अन्तर्गत भूजल सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम मुख्य अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी इन्द्रजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ राजबहादुर सिंह परमार द्वारा गिरते हुये भू-जलस्तर जैसी गम्भीर समस्या के विषय पर तथा भूजल को बचाने एवं बढ़ाने के तरीकों की जानकारी को कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों को प्रदान करने हेतु मुख्य अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी इन्द्रजीत सिंह से आग्रह कर किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी इन्द्रजीत सिंह जी ने उपस्थित सभी किसान भाइयों को सम्बोधित करते हुये बताया कि भूजल को बचाने एवं बढ़ाने का सबसे कारगर उपाय अधिक से अधिक पेड़ो को लगाना है, इसके बाद वर्षाजल का संचय तथा खेतों की सिचाई वैज्ञानिक तकनीकि से करना है। अधिक पेड़ लगाने से पर्यावरण संतुलन बना रहता है जिससे वर्षा भी समय पर होती है और भूजल के स्तर में सुधार होता है। मिट्टी कटाव भी नहीं होता। इसके साथ ही भूजल का उचित मात्रा में उपयोग करने के लिये एवं खेती में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली जैसे ड्रिप सिंचाई प्रणाली, स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली, आदि को

अपनाने जैसे विषयों पर विस्तार से अपने अनुभवों को व्यक्त किया। तदोपरान्त ग्राम विकास अधिकारी योगेन्द्र परमार जी द्वारा बताया गया कि खेत का पानी खेत में ही रहे इसके लिये उन्होंने मेड़बन्धी, कन्टूरबन्धी, कन्टूर ट्रन्च, फार्मपॉण्ड, चेक डैम और गाँव का पानी गाँव में ही रहे इस-ाके लिये उन्होंने सोकपिट, रूफ हार्वेस्टिंग, और छोटे पकुर्लेशन टैंक तथा भूमि की उर्वरक क्षमता बढ़ाने हेतु वर्मीकम्पोस्ट, अमृतखाद को उर्वरक के रूप में बढ़ावा देने का समन्वित प्रयास करने हेतु जागरूक किया एवं विस्तृत जानकारी प्रदान की।

गुगाबन्द ग्राम प्रधान राजू जी ने गुगाबन्द और चाचोंद ग्रामों में रैली द्वारा भूजल जन जागरूकता के विषय में जागरूक किया। रैली में गुगाबन्द प्राइमरी स्कूल के अध्यापक और बच्चों का भी सहयोग रहा। साथ ही किसानों को सलाह दी की आप का खेत खाली न रहे आप सभी फसलों को बोक-र अधिक से अधिक उत्पादन ले उसमें किसी को कोई भी परेशानी आती है तो हम उसमें आपका हर प्रकार से सहयोग करेंग। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी एवं उपस्थित समस्त जनों द्वारा भूजल संरक्षण में सतत योगदान देने की शपथ ली गयी।

कार्यक्रम के अन्त में गुगाबन्द ग्राम प्रधान राजू जी एवं राज बहादुर सिंह परमार जी द्वारा पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी इन्द्रजीत सिंह जी, ग्राम विकास अधिकारी योगेन्द्र परमार जी. गुगाबन्द ग्राम प्रधान राजू, प्रधानाध्यापक पप्पू सिंह, सहायक अध्यापक राकेश सिंह, बृजमोहन सिंह, अशोक सिंह, राजीव सिंह, राजू सिंह परमार, जिलेदार सिंह, सत्येन्द्र सिंह, आशीष परमार, नरोत्तम वाल्मीकि, चंदन मीणा, हरिशंकर रावत, लाल सिंह व राज बहादुर सिंह परमार के अलावा समूह की महिलायें तथा गुगाबन्द और चाचोंद ग्रामों के किसान भाई उपस्थित रहे।

# कारगिल विजय दिवस का किया गया आयोजन, छात्राओं ने पोस्टर बनाओ निबंध लिखो वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया

नवयुग समाचार

कायमगंज । शकुन्तला देवी शिक्षण संस्थान में कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी 4 यूपी गर्ल्स बटालियन के हवलदार मनोज कुमार मिश्रा व हवलदार नायक भूपेन्द्र सिंह रहे। इस दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें छात्राओं ने पोस्टर बनाओ, निबन्ध लिखो व वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुतीक्षण श्रीवास्तव ने कारगिल विजय दिवस के बारें में बच्चों को विस्तार से बताया और कहा कैसे हमारे वीर सैनिकों ने सन 1999 में पाकिस्तान के मंसूबों पर पानी

फेरते हुए सभी कारगिल चौकी पर तिरंगा फहराया था। उन्होने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेई ने जहाँ एक ओर दोस्ती का पैगाम लेकर पाकिस्तान गये थे वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अपनी चाल चल रहा था और कारगिल चौकियों पर अपने सैनिक और आतंकवादियों से कब्जा करवा रहा था। जब इसकी सूचना हमारी भारतीय सेना को लगी तो उन्होने तुरन्त कार्यवाही करते हुए पाकिस्तानी आतंकवादियों और सैनिकों को खदेड़ दिया। इस कार्यवाही में कई वीर जवान शहीद भी हुए। एनसीसी हवलदार मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि सैनिक हमेशा अपनी जान हथेली पर रखकर घूमते हैं और देश की सुरक्षा करते हैं। वहीं हवलदार नायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि हम सैनिक भारत माँ की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। इस मिट्टी की सुरक्षा के लिए हम अपने प्राणों की परवाह भी नहीं करते और हमेशा दुश्मनों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए देश की सुरक्षा करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबन्धिका मोनिका अग्रवाल ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये। इस मौके पर एनसीसी की लेफ्टिनेंट शिल्की मिश्रा, ममता सिंह, सन्तोश शर्मा, लक्ष्मी गंगवार, अक्षिता यादव, रश्मि गंगवार, इन्दू दीक्षित, र-ाकेश यादव, विकास श्रीवास्तव, सुरभि श्रीवास्तव, मनोज कुमार, प्रियाशी आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

# पति के लाखों के जेवरात हड़पकर पत्नी गयी मायके

फरुर्खाबाद। थाना मऊदरवाजा पुलिस ने अदालत के आदेश पर महिला को गायब करने के मामले में कोतवाली फतेहगढ़ के ग्राम याकूतगंज निवासी राहुल पुत्र राजकुमार की ओर से दर्ज की गई रिपोर्ट में थाना मऊदर-वाजा के मोहल्ला बहादुरगंज तराई निवासी राजेश उनके बेटे रिकू, राजेश, मोहन रोहित, राधा एवं दिल्ली निवासी सुशीला पत्री किशन गुप्ता को आरोपी बनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक रिंकू की शादी शिवानी पुत्री राजेश से लगभग 4 वर्ष हुई थी। पत्नी से 2 वर्ष एक पुत्री मानवी उत्पन्न हुई।पत्नी की आदत अच्छी नहीं थी आये दिन लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा रहती और फांसी लगाने की धमकी देती थी। 6 मार्च को पति के साथ झगडा करके मायके जाने का दबाव बनाने लगी। तब पति पत्नी व पुत्री को स्वयं उसके मायके छोड़ आया जब वह घर वापस आया तो उसने अपनी अलमारी देखा कि पुस्तैनी जेवर एक सोने का हार करीब 2 तोला, सोने की चूड़ी वजन 2 तोला, तीन अंगूठी वजन साढ़े सात ग्राम व दो सोने के मंगल सूत्र वजन करीब 6 ग्राम व नगद 10 हजार रुपए गायब थे। रिंकू ने अपने ससुर राजेश को फोन से पूछना चाहा तो उन्होने बात करने से मना कर दिया। रिंकू 28 मार्च को अपनी ससुराल गया उसने कहा कि मेरी पत्नी शिवानी को साथ भेज दो। ससुर राजेश व साले रिंकू, मोहन, साबू, रोहित साली राधा पत्नी रोहित व फुफुआ सास-सुशीला पत्नी किशन गुप्ता ने रिंकू को माँ बहन की गन्दी गन्दी गालियां देते हुए मारपीट करने लगे।

# मारपीट व अपहरण के मामले में अभियुक्त को 10 वर्ष का कारावास तथा 6500 रुपया अर्थ दंड से किया गया दंडित

नवयुग समाचार

फरुर्खाबाद अपर जिला जज प्रथम विष्णु चंद्र वैश्य ने मारपीट व अपहरण के मामले में अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास से दंडित किया जानकारी के अनुसार विगत 25 वर्ष पूर्व अनिल मिश्रा पुत्र वीरभान निवासी मोहोई छिबरामऊ ने कोतवाली फरुर्खाबाद पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि हम अपने बहनोई प्रदीप के साथ बढपुर स्थित एक होटल से अपने बहनोई के साथ घर पर पहुंचा तभी उसके पीछे से एक मारुति वैन आई उसमें 6 7 व्यक्ति उतरे उन सभी के पास बंदूक ,राइफल, रिवाल्वर, तमंचा थे हम लोगों के मारुति वैन के लोगों ने जमकर मारपीट करने लगे तथा मेरे बहनोई प्रदीप को मारुति वैन में डाल लिया शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए लोगों ने मारुति वैन का पीछा किया लेकिन तब तक वह लोग दूर निकल चुके थे पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया था उक्त मुकदमे में झम्मनलाल ने न्यायालय के समक्ष होकर अपना जुर्म स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीश विष्णु चंद्र वैश्य ने 10 वर्ष का कारावास तथा रुपया 6500 अर्थ दंड से दंडित किया।

# पुलिस अधीक्षक द्वारा शुक्रवार परेड की सलामी ली गयी एवं परेड का निरीक्षण किया गया

नवयुग समाचार

बहराइच। पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड मे साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया । परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी / कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया । निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई । परेड के उपरान्त पुलिस

लाइन्स परिसर में विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया । द्वारा पुलिस लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन हीरालाल कनौजिया, प्रतिसार निरीक्षक भुवनेश्वर सिंह तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# 15 नफर अभियुक्त को जुआ खेलते समय किया गया गिरफ्तार

नवयुग समाचार

बहराइच पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ पवित्र मोहन त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी महसी अनिल कुमार सिंह के निर्देशन में थानाध्यक्ष थाना खैरीघाट संजय कुमार सिंह के कुशल

नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दिनांक 25.07.2024 को थाना खैरीघाट आम की बगिया से जुवा खेलते समय 15 नफर अभियुक्त को धारा 13 जुआ अधिनियम में गिरफ्तार कर माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशो निदेशों का पालन करते हुये विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तारी की सूचना अभियुक्त के परिजनों को जरिये उचित माध्यम से दी गयी।

# एक पेड़ माँ के नाम की थीम पर किया गया वृक्षारोपण

कानपुर नगर । दयानंद गर्ल्स पी जी महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस 24-26 जुलाई के अनवरत एक वृक्ष एक कैडेट के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण आयोजित किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा एक पेड़ मां के नाम थीम के आधार पर वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो वंदना निगम, स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम निदेशिका प्रो अर्चना वर्मा,ए.एन.ओ. प्रो (कै) शुभ्रा राजपूत और डा मनीषी पाण्डेय तथा 34 एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। इस दौरान नीम, जामुन, पीपल, अमरूद,कनेर, बरगद,अशोक आदि के पौधों का रोपण किया गया। प्रो शुभ्रा राजपूत ने बताया की पेड़ लंबे समय तक ऑक्सीजन प्रदान करके वायु की गुणवत्ता में सुधार करके, जलवायु सुधार करके, जल संरक्षण करके, मिट्टी को संरक्षित करके और वन्यजीवों का समर्थन करके अपने पर्यावरण में योगदान करते हैं।